My Life My Message
My 30th January 2022

SES's L.S.Raheja college of Arts and commerce

Malti Jayant Dalal Library

Organises

Virtual Exhibition on the Occasion of 74th Death Anniversary of Mahatma Gandhi

"You Don't Know Who Is Important To You, Unless You Loose them"

Mahatma Gandhi

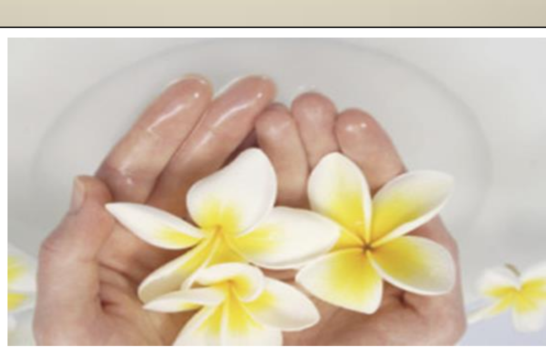

Dr. Debajit Sarkar
Principal

Dr. Parita Desai
Librarian

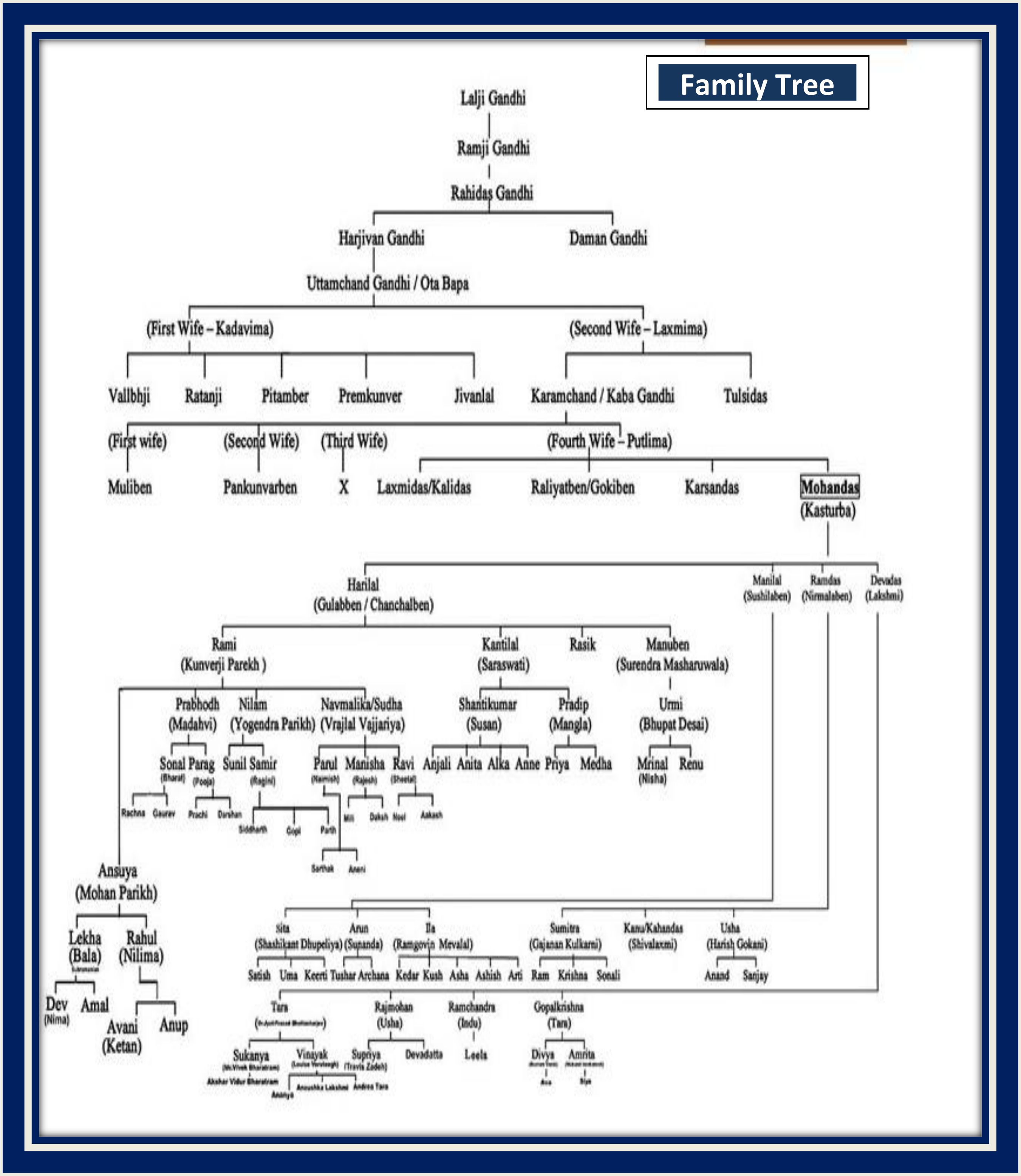

Source: [Mahatma Gandhi Family Tree (gandhiashramsabarmati.org)]

FAMOUS SPEECHES BY MAHATMA GANDHI

» Kashmir Issue Click here

» Madras Click here

» Great Trial Of 1922 Click here

» Dandi March Click here

» Round Table Conference, 1931 Click here

» Benaras Hindu University Click here

» The 'Quit India' Speeches, 1942 Click here

» Inter Asian Relation Conference Click here

» Eve of The Last Fast Click here

Source: Famous Speeches by Mahatma Gandhi (mkgandhi.org)

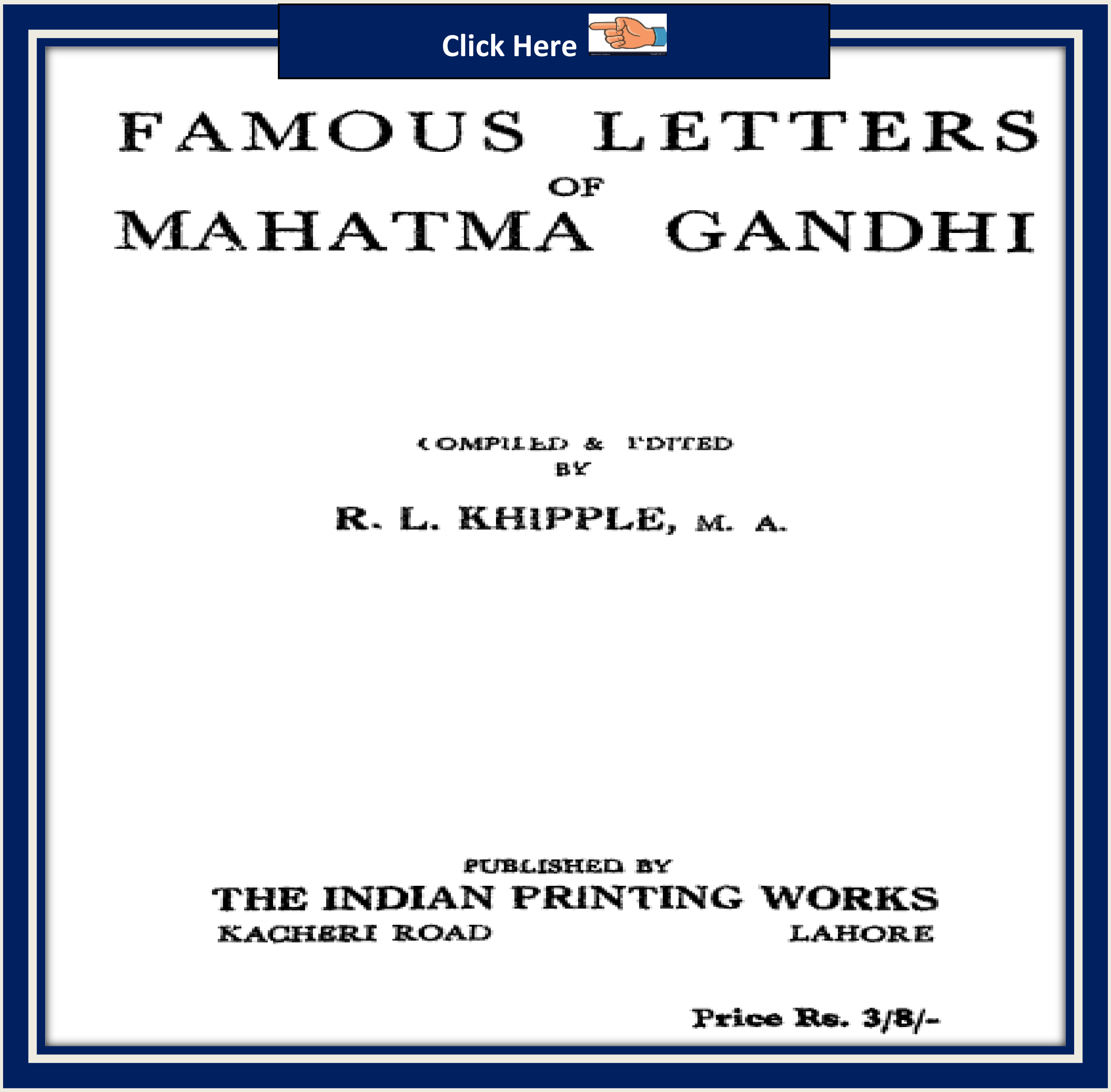
Click Here

FAMOUS LETTERS OF MAHATMA GANDHI

COMPILED & EDITED BY

R. L. KHIPPLE, M. A.

PUBLISHED BY

THE INDIAN PRINTING WORKS

KACHERI ROAD LAHORE

Price Rs. 3/8/-

Source: Famous Letters of Mahatma Gandhi (mkgandhi.org)

LIFE CHRONOLOGY / TIMELINE OF MAHATMA GANDHI

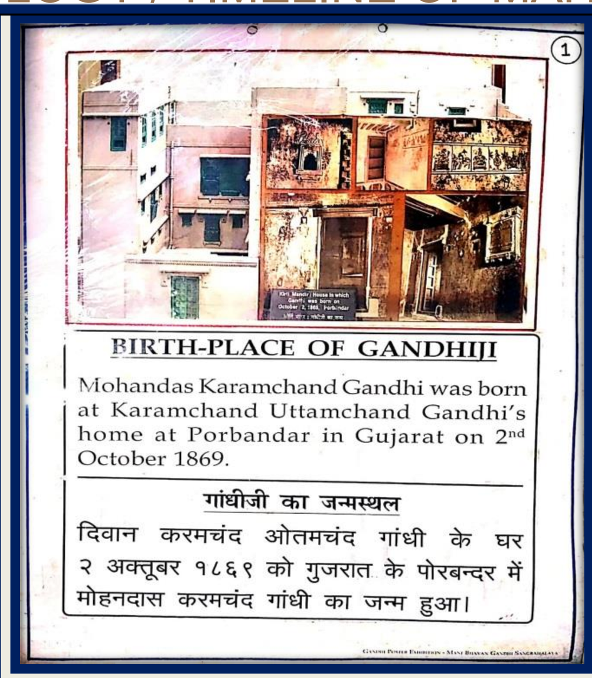

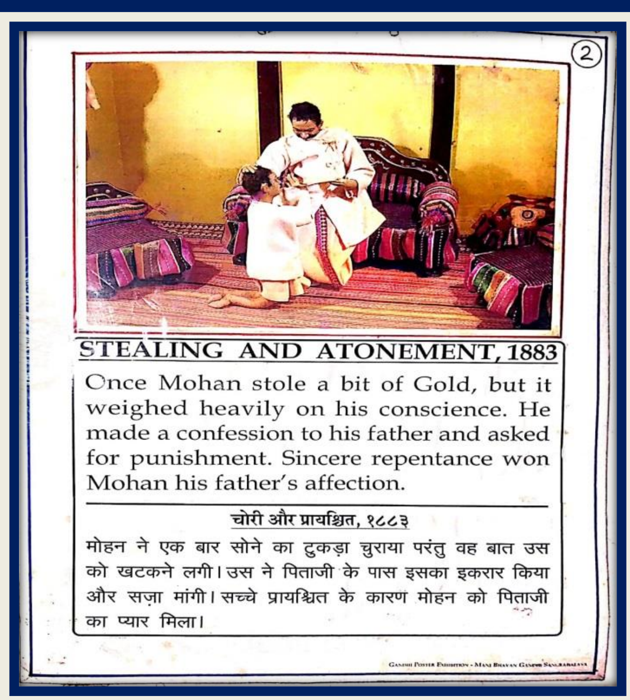

3

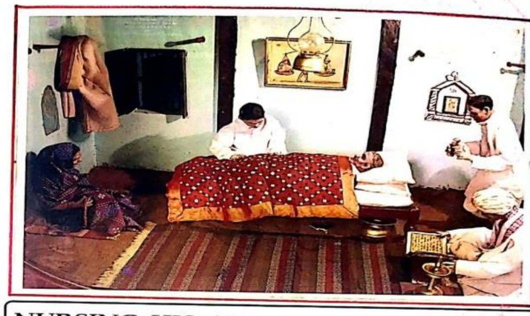

NURSING HIS AILING FATHER, 1884-1885

During five long years of his father's illness, Mohan nursed him and listened to discussions on different faiths.

बीमार पिता की सुश्रूषा, १८८४-१८८५

अपने पिता की लंबी बीमारी के दौरान मोहन ने उनकी सुश्रूषा की। साथ-साथ उस ने विविध धर्मों पर चर्चा भी सुनी।

Gandhi Poster Exhibition - Mani Bhavan Gandhi Sangrahalaya

4

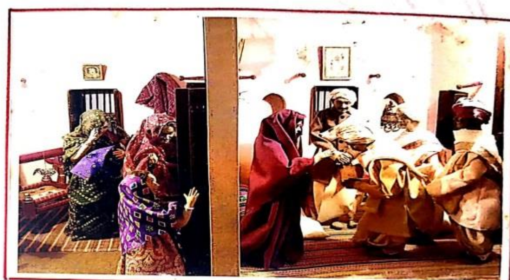

SEEKING MOTHER'S PERMISSION TO GO ABROAD, 1888

Mohan's mother consented going to England for further studies only after he took a vow not to touch wine, women & meat.

विदेश जाने के लिए मां की इजाजत, १८८८

मोहन के मांस, मदिरा और स्त्रीसंग से दूर रहने की प्रतिज्ञा लेने पर ही मोहन की मां ने उन्हें उच्च शिक्षा के लिये इंग्लैंड जाने की इजाज़त दी।

Gandhi Poster Exhibition - Mani Bhavan Gandhi Sangrahalaya

5

VICTIM OF RACIAL DISCRIMINATION, 1893

On a complaint by a white passenger, M. K. Gandhi, Barrister-at-Law was thrown out of the first class railway compartment at Maritzburg in South Africa. This incident changed the course of his life.

रंगभेद का शिकार, १८९३

एक गोरे यात्री की शिकायत पर, वकील गांधी को दक्षिण अफ्रीका के मारित्सबर्ग शहर में ट्रेन के पहले दर्जे के डिब्बे से बाहर फेंका गया। इस घटना ने गांधीजी के जीवन की राह बदल दी।

Gandhi Poster Exhibition - Mani Bhavan Gandhi Sangrahalaya

6

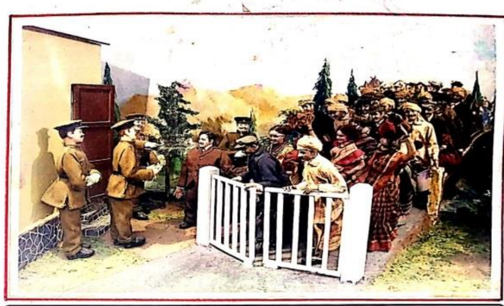

THE EPIC MARCH, 1913

Hundreds of Indians marched from New Castle to Transvaal as a protest against £3 tax. Their leader Gandhi was arrested three times in four days but they continued the march.

ऐतिहासिक कूच, १९१३

दक्षिण अफ्रीका में सैंकड़ों हिन्दुस्तानियों ने उन पर लादे गये तीन पौंड के कर के ख़िलाफ़ न्यूकेसल से ट्रान्सवाल तक कूच किया। उनके नेता गांधीजी चार दिन में तीन बार गिरफ्तार हुए, फिर भी उन्होंनें कूच जारी रखा।

Gandhi Poster Exhibition - Mani Bhavan Gandhi Sangrahalaya

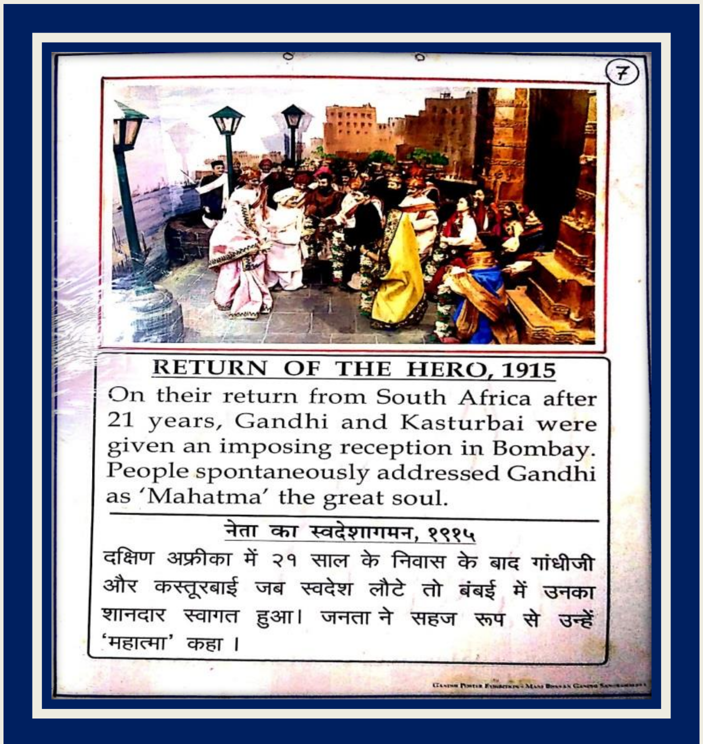
7
RETURN OF THE HERO, 1915
On their return from South Africa after 21 years, Gandhi and Kasturbai were given an imposing reception in Bombay. People spontaneously addressed Gandhi as 'Mahatma' the great soul.
नेता का स्वदेशागमन, १९१५
दक्षिण अफ्रीका में २१ साल के निवास के बाद गांधीजी और कस्तूरबाई जब स्वदेश लौटे तो बंबई में उनका शानदार स्वागत हुआ। जनता ने सहज रूप से उन्हें 'महात्मा' कहा ।

8
STAIN OF INDIGO, 1917
Gandhi espoused the cause of the oppressed peasants on the indigo plantation in Bihar and launched his first civil disobedience movement in India.
नील का दाग, १९१७
गांधीजी ने बिहार के नील के खेतों के कुचले हुए किसानों के प्रति किये अन्याय के विरुद्ध हिंदुस्तान में सर्वप्रथम सत्याग्रह किया। इसके कारण लाज़िमी तौर पर की जानेवाली नील की खेती बंद कर दी गयी।

9

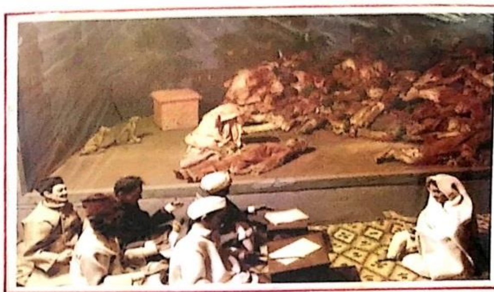

THE JALLIANWALA BAGH MASSACRE, 1919

Gandhi investigated into the attrocities committed by General Dyer on a peaceful gathering at Amritsar, killing 375 and injuring 1,000 and more unarmed, unwarned people.

जलियानवाला बाग हत्याकांड, १९१९

अमृतसर में शांतिमय सभा में जनरल डायर द्वारा निर्दोष और निहत्थी जनता पर किये अत्याचार के कारण ३५७ लोग मारे गये और १००० से ज्यादा ज़ख्मी हुये। गांधीजी ने इस हत्याकांड की जांच की।

10

BONFIRE OF FOREIGN CLOTH, 1921

Gandhi inaugurated the campaign for the boycott of foreign cloth by kindling an immense bonfire in Bombay for economic emancipation of India.

विदेशी कपड़ों की होली, १९२१

हिन्दुस्तान के आर्थिक उत्कर्ष के लिये बंबई में विदेशी कपडों की होली जलाकर गांधीजी ने स्वदेशी आंदोलन शुरू किया।

11

THE GREAT TRIAL, 1922

Gandhi was tried for sedition, in March. Pleading guilty he said, "I hold it to be a virtue to be disaffected towards a government which has done more harm to India that any previous system." He was sentenced to six years' imprisonment.

ऐतिहासिक मुकद्दमा, १९२२

मार्च महीने में गांधीजी पर राजद्रोह के लिए मुकद्दमा चलाया गया। गुनाह कबूल करते हुए उन्होंने कहा, "जिस सरकार ने हर तरह से हिन्दुस्तान को पामाल किया है, उससे बेवफा होना मैं अपना धर्म समझता हूँ''। उन्हें ६ साल की सजा हुई।

12

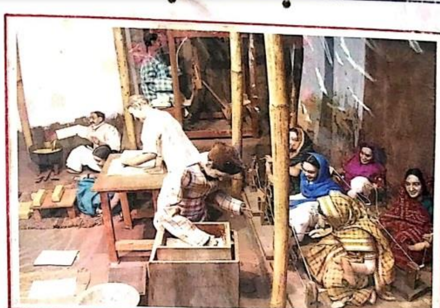

KHADI AND VILLAGE INDUSTRIES

The inhuman destruction of village-industries was corroding Gandhi's heart. He believed that their restoration alone would feed the hungry millions.

खादी और ग्रामोद्योग

ग्रामोद्योंगों के नाश से गांधीजी को बहुत दुख हुआ। वे मानते थे कि उनके पुनरुद्धार से ही भूखी जनता की भूख मिट सकती है।

(13)

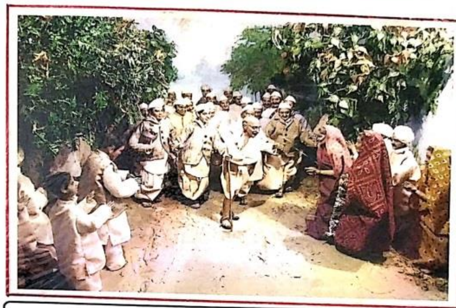

THE DANDI MARCH, 1930

On March 12, sixty one year old Gandhi started the great march of liberty from Sabarmati Ashram with a strong resolve to break the inhuman salt-law.

दांड़ी-कूच, १९३०

मार्च १२ को ६१ साल के गांधीजी ने अमानुषी नमक-कानून भंग करने के दृढ संकल्प के साथ साबरमती आश्रम से स्वातंत्र्य-कूच शुरू किया।

(14)

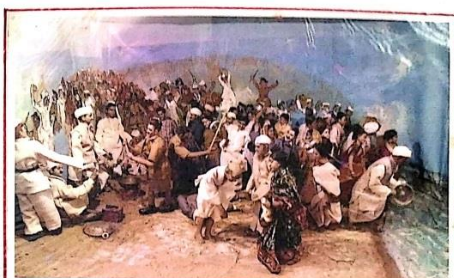

THE SALT SATYAGRAHA, 1930

On April 6, Gandhi broke the nefarious Salt-law at Dandi. Despite brutal assaults on the people, the war against the salt-tax spread to far flung regions. India was seething in revolt. Gandhi was arrested on May 4.

नमक-सत्याग्रह, १९३०

६ अप्रैल को गांधीजी ने समुद्र तट पर नमक का काला कानून तोड़ दिया। ज़ालिम हमलों के बावजूद, नमक-सत्याग्रह देश के कोने-कोने में फैल गया। ४ मई को गांधीजी को गिरफ़्तार किया गया।

15

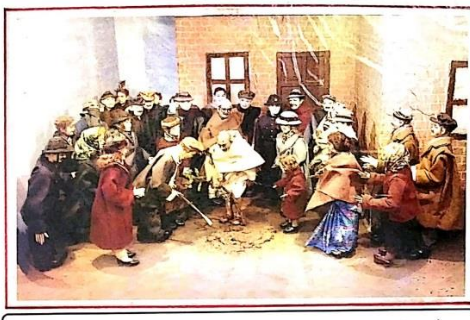

AMONG THE WORKERS, LONDON, 1931

Gandhi planted a tree outside Kingsley Hall, East End, where he stayed with the workers for twelve weeks.

लंदन में मज़दूरों के बीच, १९३१

ईस्ट एंड के जिस किंग्स्ली हॉल में गांधीजी १२ सप्ताह मज़दूरों के साथ रहे, वहाँ उन्होंने एक पौधा लगाया।

16

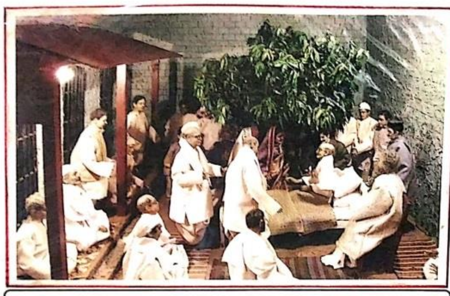

FAST FOR THE ERADICATION OF UNTOUCHABILITY, 1932

Gandhi was arrested on his return from England. On September 20, he commenced his fast unto death in the prison for eradicating untouchability. On the leaders signing a pact, the fast was broken after six days.

अस्पृश्यता निवारण के लिए अनशन, १९३२

इंग्लैंड से लौटने पर गांधीजी को गिरफ्तार किया गया। २० सितंबर को उन्होंने अस्पृश्यता के निवारण के लिए कारागृह में आमरण उपवास शुरू किये। ६ दिन के बाद राष्ट्र के नेताओं के बीच समझौता होने पर उन्होंने उपवास ख़त्म किया।

17

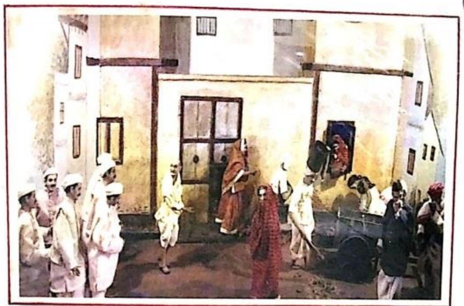

THE CURSE OF UNTOUCHABILITY

Gandhi pleaded for the uplift of the downtrodden untouchables and for restoring equality between man and man.

अस्पृश्यता का कलंक

गांधीजी ने दलित अछूतों के उद्धार तथा मनुष्य मनुष्य के बीच समानता स्थापित करने का अनुरोध किया।

18

WITH POET TAGORE, 1940

The two apostles of India's regeneration - Gandhi and Tagore met at Shantiniketan.

कविवर टैगोर के साथ, १९४०

भारत के पुनरुत्थान के दो दूत - गांधीजी और टैगोर शांतिनिकेतन में मिले। गांधीजी का स्वागत करते हुए टैगोर ने कहा कि, "गांधी सारी मनुष्यजाति के है।"

19

QUIT INDIA, 1942

On the A.I.C.C. passing the 'Quit India' Resolution on August 8, to end the British rule, Gandhi gave a dictum for the non-violent soldier of freedom, 'Do or Die'. On Gandhi's detention, India's national pride rose in revolt.

हिंद छोड़ो, १९४२

८ अगस्त को अंग्रेजी हुकूमत को खत्म करने के लिए अखिल भारतीय काँग्रेस समिति के 'हिंद छोड़ो' प्रस्ताव पारित करने पर, गांधीजी ने स्वतंत्रता संग्राम के अहिंसक सैनिकों के लिए 'करो या मरो' का मंत्र दिया। गांधीजी को नज़रबंद किये जाने पर भारत का राष्ट्रीय अभिमान जाग उठा।

20

DEATH OF KASTURBA, 1944

Gandhi's 74 years old wife Kasturba died as prisoner on February, 22. Thus ended their 62 years old companionship.

कस्तूरबा का निधन, १९४४

२२ फरवरी को ७४ साल की कस्तूरबा का बंदी अवस्था में निधन हुआ। इस तरह गांधीजी और कस्तूरबा का ६२ बरसों का दांपत्यजीवन समाप्त हुआ ।

21

PILGRIM OF PEACE, 1946-47

Gandhi set out on his pilgrimage of peace in riot-wrecked Bengal to establish unity between the two sister-communities. His message was, "The cry of blood for blood is barbarous."

शांति-दूत, १९४६-४७

दंगे से पीड़ित बंगाल में हिंदू और मुसलमानों के बीच एकता कायम करने के लिये गांधीजी ने अपनी शांतियात्रा शुरू की । उनका संदेश था, "खून के बदले खून का नारा वर्बर प्रवृत्ति है।"

22

IN RIOT-WRECKED BIHAR, 1947

Gandhi came to Patna to comfort the victims of communal frenzy. He exhorted the Hindus and the Muslims to live together in a filial spirit. He brought love where hatred and cunning had ruled.

दंगापीड़ित बिहार में, १९४७

दंगे से पीड़ित जनता को धीरज बंधाने गांधीजी पटना आये । उन्होंने हिंदू और मुसलमानों को भाई-भाई की तरह रहने का संदेश दिया और द्वेष-कपट को दूर कर प्रेम का साम्राज्य स्थापित किया ।

(23)

FAST FOR COMMUNAL HARMONY, 1947

On September 1, Gandhi began his fast to end communal frenzy searching in all concerned. The hooligans surrendered their weapons. Gandhi broke his fast on the restoration of peace.

क़ौमी एकता के लिये उपवास, १९४७

कलकत्ते के क़ौमी दंगे के अंत के लिये गांधीजी ने १ सितंबर को उपवास शुरू किये। इससे सबकी अंतरात्मा जाग्रत हुई और गुंडों ने शस्त्रों का त्याग किया। शांति कायम होने पर गांधीजी ने उपवास ख़त्म किया।

(24)

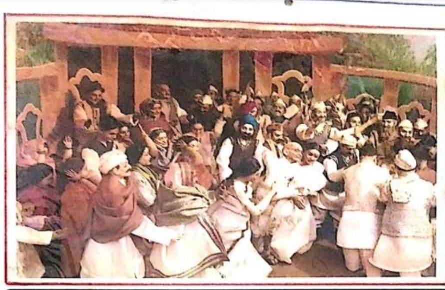

MARTYRDOM, 1948

On January 30 at the sun-set-hour, the perverse assassin of the ages lodged hot lead in the soft flesh of Mohandas Karamchand Gandhi. His mind was concentrated on God and he merged in Him. He had said, "If I am to die by the bullet of a mad man I must do so smilling". He was the Victorious One in death as in Life.

शहादत, १९४८

३० जनवरी की शाम को हत्यारे ने मोहनदास करमचंद गांधी के कोमल शरीर में गोलियाँ दाग दीं। गांधीजी का मन ईश्वर में लीन था और वे ईश्वरमय हो गये। उन्होंने कहा था कि, "अगर मुझे किसी पगले की गोली का शिकार बनना पड़े तो मुझे हँसते-हँसते मौत का सामना करना चाहिए।" उन्होंने ज़िंदगी की तरह मौत पर भी विजय पायी।

25

THE WORLD BOWED IN HOMAGE, 1948

On January 31, Gandhi's body was laid on a sandal wood pyre at Rajghat, Delhi. From the pyre comes the message : Lead me from the Unreal to the Real. From Darkness to Light, From Death to immortality.

विश्व की श्रध्दांजलि, १९४८

जनवरी ३१ को गांधीजी का पार्थिव शरीर दिल्ली के राजघाट पर चंदन की चिता पर रखा गया। चिता से संदेश आता है : असत्य से सत्य कीं ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर, मृत्यु से अमरत्व की ओर ले चल।

By education. I mean an all-round drawing of the best in child and man in body, mind and spirit

Mahatama Gandhi